कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाणा) : (क) और (ख) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा-पटल पर रखदी जाएगी ।

राजभाषा अधिनियम का क्रियान्वयन

3165 श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : क्या **इस्पात और खान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उनके मंत्रालय ने राजभाषा अधिनियम के क्रियान्वयन के लिए कोई कदम नहीं उठाये हैं और अधिकारियों और कर्मचारियों आदि को प्रशिक्षण देने के कार्यक्रम के अधीन राजभाषा अधिनियम के अधिनियमित किए जाने के 24 वर्ष पश्चात तथा हिन्दी के प्रयोग संबंधी वार्षिक कार्यक्रम बनाए जाने के 19 वर्ष बाद भी अब तक केवल 6 व्यक्तियों को प्रशिक्षण दिया गया है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि 19 वर्षों की अवधि में हिन्दी के प्रगामी प्रयोग से संबन्धित वार्षिक कार्यक्रम के एक वर्ष के कार्य को क्रियान्वित नहीं किया गया है ; और

(ग) क्या यह भी सच है कि मंत्रालय के विभिन्न विभागों की विभागीय राजभाषा क्रियान्वयन समितियों में अब तक एक भी गैर सरकारी सदस्य को प्रेक्षक के रूप में नाम निर्देशित नहीं किया गया है ?

इस्पात और खान मंत्री (श्री एम० एल० फोतेदार) : (क) जी, नहीं ।

(ख) जी नहीं । वार्षिक कार्यक्रम की कुछ मदों के संबंध में लक्ष्य शत प्रतिशत प्राप्त कर लिये गये हैं किन्तु कुछ मदों के संबंध में लक्ष्य कार्यक्रम के अनुसार प्राप्त नहीं हुए हैं । इस संबंध में स्थिति में सुधार लाने के लिए सतत प्रयास किये जा रहे हैं ।

(ग) जी, नहीं ।

3166. [Transferred to the 27th August 1987]

बरौनी संयंत्र में यूरिया की कमी

3167. श्री अशोक नाथ वर्मा : क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या 1983 से 1986 की अवधि के दौरान हिन्दुस्तान फर्टिलाइजर कार्पोरेशन की बरौनी फैक्टरी में ग्यारह हजार टन यूरिया की कमी की जांच के संबंध में एक उच्च अधिकार प्राप्त समिति द्वारा जांच की गई, यदि हां, तो कब-कब और किसके द्वारा जांच की गई तथा उसके क्या परिणाम निकले ;

(ख) क्या तोल मशीन ठीक नहीं थी जिसके कारण यूरिया को ठीक तरह नहीं तौला जा सका और यदि हां, तो इस गलती का कब पता चला तथा किस अवधि के दौरान कमी हुई, कितने-कितने समय-अन्तराल से तौल मशीन की जांच की गई, तौल मशीन की जांच न किए जाने के क्या कारण थे, क्या तोलने की प्रक्रिया भंडार में की जाती है, यदि हां, तो न गलती का पहले पता न लग पाने के क्या कारण हैं वजन का बोरियों के रूप में पता क्यों नहीं लगा' क्या यूरिया की कमी परिणामस्वरूप बोरियों को बेचे जाने के मामले में कोई जांच की गई थी; और

(ग) क्या किन्ही व्यक्तियों को दोषी पाया गया और यदि हां, तो किस अपराध के लिए तथा उनमें से प्रत्येक के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई, दोषी पाए गए व्यक्तियों के नाम तथा पद-नाम क्या-क्या हैं ?

कृषि मंत्रालय में उर्वरक विभाग में राज्य मंत्री (श्री आर० प्रभु) : (क) जी हां, जुलाई 1985 से अप्रैल 1986